PAPER-II
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

J 7 3 1 4

Time : **1 1/4** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

संस्कृत-परम्परागत विषय:
संस्कृत परम्परागत विषय
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS
प्रश्नपत्रम् – II
प्रश्नपत्र – II
Paper – II

संङ्केत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत् (50)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना : उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. Attempt **all** the questions.

1. शने: मूलत्रिकोणराशिरस्ति
शनि की मूलत्रिकोण राशि है
त्रिकोणराशि of शनि is
(A) वृष
(B) तुला
(C) मकर
(D) कुम्भ

2. कन्या राशौ सूर्य: स्यात् तर्हि ऋतु: भवति
कन्या राशि में सूर्य हो तो ऋतु होती है
When सूर्य remains in कन्या राशि, there happens the ऋतु
(A) वर्षा
(B) हेमन्त:
(C) शरद्
(D) शिशिर:

3. दशमीतिथेरधिपतिरस्ति
दशमी तिथि का स्वामी है
The स्वामी of दशमी तिथि is
(A) धर्मराज:
(B) शिव:
(C) विश्वेदेवा:
(D) कामदेव:

4. कालवृत्तं भवति
कालवृत्त होता है
कालवृत्त is called
(A) नाडीवृत्तम्
(B) क्रान्तिवृत्तम्
(C) अयनवृत्तम्
(D) कोणवृत्तम्

5. षड्भि: प्राणै: भवति
छ: प्राणों से होता है
Six प्राणs make
(A) नाडी
(B) विनाडी
(C) घटिका
(D) लवा:

6. युगानां सप्तति: सैका...भवति
इकहत्तर युगों का एक होता है
The period of seventy-one Yugas is called
(A) मन्वन्तरम्
(B) कृतयुगम्
(C) कल्प:
(D) मनोरहोरात्रम्

7. भट्टोजिदीक्षितदृशा आभ्यन्तरप्रयत्नो.....भवति ।
भट्टोजिदीक्षित के मत में आभ्यन्तर प्रयत्न है ।
According to भट्टोजिदीक्षित, the आभ्यन्तर प्रयत्न is
(A) द्विधा
(B) त्रिधा
(C) चतुर्धा
(D) पञ्चधा

8. वृद्धिसंज्ञा विधायकं सूत्रमस्ति
वृद्धिसंज्ञा विधायक सूत्र है
The sutra enjoining वृद्धिसंज्ञा
(A) इको गुणवृद्धि
(B) वृद्धिरादैच्
(C) वृद्धिरेचि
(D) वृद्धाच्छ:

9. कर्मप्रवचनीय युक्ते.....विभक्तिर्भवति
कर्मप्रवचनीय योग मे.....विभक्ति होती है
There विभक्ति takes place in the योग of कर्मप्रवचनीय
(A) द्वितीया
(B) तृतीया
(C) चतुर्थी
(D) पञ्चमी

10. उभयपदार्थप्रधान: समास: ..... भवति
पूर्व एवम् उत्तर दोनों पदों के अर्थ की प्रधानता ..... समास में होती है
उभयपदार्थप्रधान compound is
(A) अव्ययीभाव:
(B) तत्पुरुष:
(C) द्वन्द्व:
(D) बहुव्रीहि:

11. उपपद विभक्ते:.....विभक्तिर्बलीयसी
उपपद विभक्ति से ..... विभक्ति बलवत्तर होती है
The विभक्ति stronger than उपपद विभक्ति is
(A) कारक
(B) पञ्चमी
(C) चतुर्थी
(D) तृतीया

12. शास्त्रदीपिकाकार:
शास्त्रदीपिका के रचयिता हैं
The author of शास्त्रदीपिका is
(A) पार्थसारथि मिश्रा:
(B) मण्डन मिश्रा:
(C) रामचन्द्र दीक्षित:
(D) माधवाचार्य:

13. द्वादशलक्षणीति प्रसिद्धं शास्त्रम्... ।
द्वादशलक्षणीति यह प्रसिद्ध शास्त्र है
The text दादशलक्षणी is of
(A) पूर्वमीमांसा
(B) उत्तरमीमांसा
(C) धर्मशास्त्रम्
(D) जैनदर्शनम्

14. जैमिनिसूत्रवृत्तिकार:
जैमिनिसूत्रवृत्तियों के रचयिता हैं
The author of जैमिनीसूत्रवृत्ति is
(A) उपवर्ष:
(B) भर्तृमित्र:
(C) भट्टभास्कर:
(D) मुरारि मिश्रा:

15. न्यायसूत्रभाष्यकर्त्ता अस्ति
न्यायसूत्रभाष्य के रचयिता हैं
The author of न्यायसूत्रभाष्य is
(A) पार्थसारथि मिश्रा:
(B) मण्डन मिश्रा:
(C) प्रशस्तपाद:
(D) वात्स्यायन:

16. पुनरुत्पत्तिः..... भवति
पुनरुत्पत्ति.....होती है
पुनरुत्पत्ति becomes
(A) दोषः
(B) लिङ्गम्
(C) प्रेत्यभावः
(D) प्रयोजनम्

17. अभावः.....भवति
अभाव.....है
The अभाव is
(A) पञ्चविधः
(B) षड्विधः
(C) द्विविधः
(D) चतुर्विधः

18. क्लिष्टाक्लिष्टाः पञ्चतय्यः
क्लिष्टाक्लिष्ट पञ्चतय्य होती हैं
क्लिष्टाक्लिष्ट पञ्चतय्यs are
(A) वृत्तयः
(B) प्राणाः
(C) इन्द्रियाणि
(D) योगाः

19. भावैरधिवासितं..... संसरति ।
भावों से अधिवासित होकर संसरण करता है
Being united with भावs, there moves
(A) प्रकृतिः
(B) पुरुषः
(C) लिङ्गम्
(D) अहङ्कारः

20. धर्मेण गमनं.....भवति ।
धर्म से गमन होता है ।
Through धर्म, there takes गमन
(A) ऊर्ध्वम्
(B) अधः
(C) परितः
(D) तिर्यग्

21. अनेकान्तवादो-दर्शनाभिमतः
अनेकान्तवाद-दर्शन का सिद्धान्त है
The सिद्धान्त of अनेकान्तवाद is
(A) जैन
(B) बौद्ध
(C) चार्वाक
(D) सांख्य

22. अपोहसिद्धिवादिनः सन्ति
अपोहसिद्धिवादी हैं
The अपोहसिद्धिवादीs are
(A) बौद्धाः
(B) सांख्याः
(C) नैयायिकाः
(D) पूर्वमीमांसकाः

23. अनुमानप्रमाणं नास्तीतिवादिनः सन्ति
अनुमानप्रमाणं को नही मानते हैं
अनुमानप्रमाण is not accepted by
(A) चार्वाकाः
(B) जैनाः
(C) वेदान्तिनः
(D) योगिनः

24. "हीगेल" पाश्चात्यपण्डितस्य वादोऽस्ति
"हीगेल" पाश्चात्य पण्डित का वाद है
The वाद held by Hegel, the western philosopher, is
(A) भौतिकवाद:
(B) प्रत्ययवाद:
(C) मानवतावाद:
(D) संशयवाद:

25. माध्यन्दिन संहिताया एकादशेऽध्याये निरूपितमस्ति
माध्यन्दिन संहिता के ग्यारहवें अध्याय में निरूपित है
In the eleventh chapter of माध्यन्दिन संहिता, the subject discussed is
(A) सोम:
(B) चातुर्मास्यानि
(C) हविर्यागा:
(D) चयनम्

26. अग्निष्टोमेयाग ऋत्विजो भवन्ति
अग्निष्टोम याग में ऋत्विज होते हैं
The ऋत्विक्s in the अग्निष्टोम याग, are
(A) द्वादश
(B) षोडश
(C) दश
(D) अष्टौ

27. अश्वसंज्ञपनस्य तात्पर्यं वर्तते –
अश्वसंज्ञपन का तात्पर्य है –
The purport of अश्वसंज्ञपन, is –
(A) स्नपनम्
(B) मार्जनम्
(C) प्राणवियोगजननानुकूलो व्यापार:
(D) प्राणसञ्जागरणम्

28. न्यायमुक्तावल्या: रचयिता अस्ति
न्यायमुक्तावली के रचयिता हैं
The author of the न्यायमुक्तावली, is
(A) जयन्तभट्ट:
(B) उदयनाचार्य:
(C) वाचस्पति मिश्रा:
(D) राघवेन्द्रयति:

29. युक्तिमल्लिकाकार:
युक्तिमल्लिका के रचयिता हैं
The author of the युक्तिमल्लिका, is
(A) वादीन्द्रतीर्थ:
(B) सत्यनाथतीर्थ:
(C) वेदेशतीर्थ:
(D) वादिराजतीर्थ:

30. दुरागमैर्नज्ञेय:
दुरागमों से ज्ञेय नहीं है
He who is not known by दुरागमs, is
(A) शिव:
(B) नारायण:
(C) स्वर्गलोक:
(D) आत्मा

31. मोक्ष: लभ्यते
मोक्ष प्राप्त होता है
मोक्ष is attained
(A) ज्ञानेन
(B) भक्त्या
(C) वैराग्येण
(D) विष्णुप्रसादेन

32. "याथातथ्यतोऽर्थान् व्यदधात् शाश्वतीभ्य: समाभ्य:"
श्रुतिरियं साधयति ।
इस श्रुति से साधित होता है
This Shruti establishes
(A) वर्णनित्यत्वम्
(B) जगत्सत्यत्वम्
(C) परमात्मनित्यत्वम्
(D) विष्णो: सर्वगतत्वम्

33. परब्रह्मण: स्वगतभेदवर्जितत्वं प्रतिपादितम् परब्रह्म के स्वगतभेदवर्जितत्व का प्रतिपादन करता है
स्वगतभेदवर्जितत्व of Supreme Brahman is declared by
(A) नेहनानास्ति किञ्चन
(B) वाचा विरूपनित्यया
(C) प्रपञ्चो यदि विद्येत
(D) अनेजदेकं मनसो जवीय:

34. याज्ञवल्क्यस्मृतौ संस्काराः भवन्ति
याज्ञवल्क्यस्मृति में संस्कारों का निरूपण किया है
The संस्कारs explained in याज्ञवल्क्यस्मृति, are
(A) दश
(B) पञ्चदश
(C) त्रयोदश
(D) द्वादश

35. वेदव्रतानि भवन्ति
वेदव्रत होते हैं
वेदव्रतs are
(A) चत्वारि
(B) पञ्च
(C) षड्
(D) सप्त

36. क्रोधजानि व्यसनानि भवन्ति
क्रोधज व्यसन होते हैं
The number of क्रोधज व्यसनs, is
(A) पञ्च
(B) अष्टौ
(C) षड्
(D) एकादश

37. वृद्धिश्राद्धमस्ति
वृद्धिश्राद्ध है
वृद्धिश्राद्ध is
(A) नैमित्तिकम्
(B) नित्यम्
(C) काम्यम्
(D) साम्वत्सरिकम्

38. "विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिरि"ति सूत्रस्य रचयितुर्नाम
इस सूत्र के रचयिता हैं
The author of this sūtra is
(A) भट्टलोल्लटः
(B) अभिनवगुप्तपादाचार्यः
(C) आनन्दवर्द्धनः
(D) भरतः

39. व्यक्तिविवेको विरचितः
व्यक्तिविवेक की रचना की
व्यक्तिविवेक is authored by
(A) आनन्दवर्द्धनेन
(B) महिमभट्टेन
(C) भट्टनायकेन
(D) मम्मटेन

40. भङ्गी भणितिरूच्यते
भङ्गी भणिति कहलाती है
The भङ्गी called भणिति, is
(A) स्वभावोक्तिः
(B) समासोक्तिः
(C) वक्रोक्तिः
(D) सहोक्तिः

41. साधारणीकरणसिद्धान्तस्य प्रवर्तकाचार्योऽस्ति
साधारणीकरणसिद्धान्त के प्रवर्तक आचार्य हैं
The propounder of साधारणीकरण Siddhanta, is
(A) अभिनवगुप्तपादाचार्यः
(B) मम्मटः
(C) भट्टनायकः
(D) भट्टलोल्लटः

42. गरुड़पुराणमस्ति –
गरुडपुराण है –
गरुड purāṇa is known as
(A) राजसं पुराणम्
(B) सात्विकं पुराणम्
(C) तामसं पुराणम्
(D) इतिहासात्मकम्

43. पुष्कराधिपतिरस्ति
पुष्कराधिपति है
The अधिपति of पुष्कर, is
(A) हव्य:
(B) ज्योतिष्मान्
(C) सवन:
(D) द्युतिमान्

44. वायुपुराणे……माहात्म्यं वर्णितमस्ति
वायुपुराण में…….माहात्म्य वर्णित है
In वायुपुराण, there finds the description of
(A) शिवमाहात्म्यम्
(B) विष्णुमाहात्म्यम्
(C) प्रतिमा-माहात्म्यम्
(D) वायुमाहात्म्यम्

45. आगमोक्तरीत्या प्राधान्येन साधनमार्गो भवति
आगम के अनुसार मुख्यसाधन का मार्ग होता है
Important साधन according to आगमs, is
(A) ज्ञानमार्ग:
(B) षट्स्थलमार्ग:
(C) भक्तिमार्ग:
(D) कर्ममार्ग:

46. सूक्ष्मागमोक्तरीत्या निराभारी इत्यस्यार्थ:
सूक्ष्मागम के अनुसार "निराभारी" का अर्थ है
The meaning of निराभारी according to सूक्ष्मागम, is
(A) ईश्वर:
(B) जङ्गम:
(C) प्रपञ्च:
(D) मुक्ति:

47. शिवाद्वैतं निरूपयितुं उदाहृता श्रुति:
शिवाद्वैत निरूपण करने वाली श्रुति उदाहृत की जाती है
The श्रुति illustrating शिवाद्वैत, is
(A) सर्वं खाल्विदं ब्रह्म
(B) अयमात्मा ब्रह्म
(C) मृत्तिकेत्येव सत्यम्
(D) अहं ब्रह्मास्मि

48. "आनन्दमय" इत्यत्र मयट् –
"आनन्दमय" इस पद में मयट् प्रत्यय है –
The मयट् affix in the word आनन्दमय, is –
(A) विरूपार्थे
(B) प्राचुर्यार्थे
(C) विशेषणार्थे
(D) स्वार्थे

49. "तम: प्रकाशवद्विरुद्धस्वभावयो"रित्यादिवचनम्
"तम: प्रकाशवद् विरुद्ध स्वभावयो:" यह कथन है
तम: प्रकाशवद्विरुद्धस्वभावयो: this is found
(A) समन्वयाधिकरणे
(B) जिज्ञासाधिकरणे
(C) आकाशाधिकरणे
(D) स्मृत्यधिकरणे

50. शाङ्करभाष्यस्य पञ्चपादिकाकार:
शाङ्करभाष्य का पञ्चपादिका के रचयिता हैं
The author of पञ्चपादिका on शाङ्करभाष्य, is
(A) पद्मपादाचार्य:
(B) चित्सुरवाचार्य:
(C) आनन्दगिरि:
(D) रघुनाथशिरोमणि:

Space For Rough Work